मिस पाल
मोहन राकेश

वह दूर से दिखायी देती आकृति मिस पाल ही हो सकती थी। फिर भी विश्वास करने के लिए मैंने अपना चश्मा ठीक किया। निःसंदेह, वह मिस पाल ही थी। यह तो खैर मुझे पता था कि वह उन दिनों कुल्लू में ही कहीं रहती है, पर इस तरह अचानक उससे भेंट हो जायेगी, यह नहीं सोचा था। और उसे सामने देखकर भी मुझे विश्वास नहीं हुआ कि वह स्थायी रूप से कुल्लू और मनाली के बीच उस छोटे-से गाँव में रहती होगी। जब वह दिल्ली से नौकरी छोड़कर आयी थी, तो लोगों ने उसके बारे में क्या-क्या नहीं सोचा था!

बस रायसन के डाकखाने के पास पहुंचकर रुक गयी। मिस पाल डाकखाने के बाहर खड़ी पोस्टमास्टर से कुछ बात कर रही थी। हाथ में वह एक थैला लिये थी। बस के रुकने पर न जाने किस बात के लिए पोस्टमास्टर को धन्यवाद देती हुई वह बस की तरफ मुड़ी। तभी मैं उतरकर उसके सामने पहुँच गया। एक आदमी के अचानक सामने आ जाने से मिस पाल थोड़ा अचकचा

गयी, मगर मुझे पहचानते ही उसका चेहरा खुशी और उत्साह से खिल गया।

"रणजीत तुम?" उसने कहा, "तुम यहाँ से टपक पड़े?"

"मैं इस बस से मनाली से आ रहा हूँ।" मैंने कहा।

"अच्छा! मनाली तुम कब से आये हुए थे?"

"आठ-दस दिन हुए, आया था। आज वापस जा रहा हूँ।"

"आज ही जा रहे हो?" मिस पाल के चेहरे से आधा उत्साह गायब हो गया, "देखो, कितनी बुरी बात है कि आठ-दस दिन से तुम यहाँ हो और मुझसे मिलने की तुमने कोशिश भी नहीं की। तुम्हें यह तो पता ही था कि मैं आजकल कुल्लू में हूँ।"

"हाँ, यह तो पता था, पर यह नहीं पता था कि कुल्लू के किस हिस्से में हो। अब भी तुम अचानक ही दिखायी दे गयीं, नहीं मुझे कहाँ से पता चलता कि तुम इस जंगल को आबाद कर रही हो?"

"सचमुच बहुत बुरी बात है," मिस पाल उलाहने के स्वर में बोली, "तुम इतने दिनों से यहाँ हो और मुझसे तुम्हारी भेंट हुई आज जाने के वक़्त···।"

ड्राइवर जोर-जोर से हॉर्न बजाने लगा। मिस पाल ने कुछ चिढ़कर ड्राइवर की तरफ़ देखा और एकसाथ झिड़कने क्षमा माँगने के स्वर में कहा, "बस जी एक मिनट। मैं भी इसी बस से कुल्लू चल रही हूँ। मुझे कुल्लू की एक सीट दे दीजिए। थैंक यू वेरी मच!" और फिर मेरी तरफ़ मुड़कर बोली, "तुम इस बस से कहाँ तक जा रहे हो?"

"आज तो इस बस से जोगिन्दरनगर जाऊँगा। वहाँ एक दिन रहकर कल सुबह आगे की बस पकड़ूँगा।"

ड्राइवर अब और जोर से हॉर्न बजाने लगा। मिस पाल ने एक बार क्रोध और बेबसी के साथ उसकी तरफ़ देखा और बस के दरवाज़े की तरफ़ बढ़ती हुई बोली, "अच्छा, कुल्लू तक तो हम लोगों का साथ है ही, और बात कुल्लू पहुँचकर करेंगे। मैं तो कहती हूँ कि तुम दो-चार दिन यहीं रुको, फिर चले जाना।"

बस में पहले ही बहुत भीड़ थी। दो-तीन आदमी वहाँ से और चढ़ गये थे, जिससे अन्दर खड़े होने की

जगह भी नहीं रही थी। मिस पाल दरवाज़े से अन्दर जाने लगी तो कण्डक्टर ने हाथ बढ़ाकर उसे रोक दिया। मैंने कण्डक्टर से बहुतेरा कहा कि अन्दर मेरे वाली जगह खाली है, मिस साहब वहाँ बैठ जाएंगी और मैं भीड़ में किसी तरह खड़ा होकर चला जाऊँगा, मगर कण्डक्टर एक बार जिद पर अड़ा तो अड़ा ही रहा कि और सवारी वह नहीं ले सकता। मैं अभी उससे बात कर ही रहा था कि ड्राइवर ने बस स्टार्ट कर दी। मेरा सामान बस में था, इसलिए मैं दौड़कर चलती बस में सवार हो गया। . . .

सूची

अ

अचकचा, १

अचानक, १, २

अच्छा, २, ३

अड़ा, ४

अन्दर, ३, ४

अपना, १

अब, २, ३

अभी, ४

आ

आ, १, २

आकृति, १

आगे, ३

आज, २, ३

आजकल, २

आठ-दस, २

आदमी, १, ३

आधा, २

आबाद, २

आया, २

आयी, १

आये, २

इ

इतने, ३

इस, १–३

इसलिए, ४

इसी, ३

उ

उतरकर, १

उत्साह, २

उन, १

उलाहने, ३

उस, १

उसका, २
उसकी, ३
उसके, १
उसने, २
उससे, १, ४
उसे, १, ४

ए

एक, १, ३, ४
एकसाथ, ३

औ

और, १–४

क

कण्डक्टर, ४
कब, २
कर, १, २, ४
करने, १
करेंगे, ३
कल, ३
कहती, ३
कहाँ, २, ३
कहा, २–४
कहीं, १
का, ३
कि, १–४
कितनी, २
किया, १
किस, १, २
किसी, ४
की, १–३
कुछ, १, ३
कुल्लू, १–३
के, १–३
को, १, २
कोसिस, २
क्या-क्या, १
क्रोध, ३
क्षमा, ३

ख

खड़ा, ४

खड़ी, १
खड़े, ३
खाली, ४
खिल, २
खुसी, २
खैर, १

ग

गया, १, २, ४
गयीं, २
गयी, १, २
गये, ३
गाँव, १
गायब, २

च

चढ़, ३
चल, ३
चलता, २
चलती, ४
चला, ४
चले, ३
चस्मा, १
चिढ़कर, ३
चेहरा, २
चेहरे, २

छ

छोटे-से, १
छोड़कर, १

ज

जंगल, २
जगह, ४
जब, १
जा, २, ३
जाऊँगा, ३, ४
जाएंगी, ४
जाना, ३
जाने, १, ३, ४
जायेगी, १
जिद, ४

जिससे, ३
जी, ३
जोगिन्दरनगर, ३
जोर, ३
जोर-जोर, ३

झ

झिड़कने, ३

ट

टपक, २

ठ

ठीक, १

ड

डाकखाने, १
ड्राइवर, ३, ४

त

तक, ३
तभी, १
तरफ, १
तरफ़, ३
तरह, १, ४
तुम, २, ३
तुमने, २
तुम्हारी, ३
तुम्हें, २
तो, १–४

थ

था, १, २, ४
थी, १, ३, ४
थे, २, ३
थैंक, ३
थैला, १
थोड़ा, १

द

दरवाज़े, ३, ४
दिखायी, १, २
दिन, २, ३

दिनों, १, ३
दिया, ४
दिल्ली, १
दी, ४
दीजिए, ३
दूर, १
दे, २, ३
देखकर, १
देखा, ३
देखो, २
देती, १
दो-चार, ३
दो-तीन, ३
दौड़कर, ४

ध

धन्यवाद, १

न

न, १
नहीं, १, २, ४
निःसंदेह, १
ने, १, ३, ४
नौकरी, १

प

पकड़ूँगा, ३
पड़े, २
पता, १, २
पर, १, २, ४
पहचानते, २
पहले, ३
पहुँच, १
पहुंचकर, १
पहुँचकर, ३
पाल, १–४
पास, १
पोस्टमास्टर, १

फ

फिर, १, ३

ब

बजाने, ३
बढ़ती, ३
बढ़ाकर, ४
बस, १–४
बहुत, ३
बहुतेरा, ४
बात, १–४
बार, ३, ४
बारे, १
बाहर, १
बीच, १
बुरी, २, ३
बेबसी, ३
बैठ, ४
बोली, ३

भ

भी, १–४
भीड़, ३, ४
भेंट, १, ३

म

मगर, २, ४
मच, ३
मनाली, १, २
माँगने, ३
मिनट, ३
मिलने, २
मिस, १–४
मुझसे, २, ३
मुझे, १–३
मुड़कर, ३
मुड़ी, १
में, १–४
मेरा, ४
मेरी, ३
मेरे, ४
मैं, १–४
मैंने, १, २, ४

य

यह, १, २

यहाँ, २, ३
यहीं, ३
यू, ३

र

रणजीत, २
रहकर, ३
रहती, १
रहा, २, ४
रही, १–४
रहे, २, ३
रायसन, १
रुक, १
रुकने, १
रुको, ३
रूप, १
रोक, ४

ल

लगा, ३
लगी, ४
लिए, १
लिये, १
ले, ४
लोगों, १, ३

व

वक़्त, ३
वह, १, ४
वहाँ, ३, ४
वापस, २
वाली, ४
विस्वास, १
वेरी, ३

स

सकता, ४
सकती, १
सचमुच, ३
सवार, ४
सवारी, ४
साथ, ३

सामने, १
सामान, ४
साहब, ४
सीट, ३
सुबह, ३
से, १–४
सोचा, १
स्टार्ट, ४
स्थायी, १
स्वर, ३

ह

हॉर्न, ३
हम, ३
हाँ, २
हाथ, १, ४
हिस्से, २
ही, १–४
हुआ, १
हुई, १, ३
हुए, २
हूँ, २, ३
है, १–४
हो, १–४
होकर, ४
होगी, १
होने, ३